विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम **दिनांक -३१-०७ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज समास के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

द्विगु समास

जिस समास का पहला पद संख्यावाचक हो तथा पूरा सामासिक पद किसी समूह का बोध कराता हो वह द्विगु समास कहलाता है |

<u>जैसे</u> →
समस्तपद - विग्रह
नवरत्न - नौ रत्नों का समूह
चौराहा - चार राहों का समूह
दोपहर - दो पहरों का समूह
सतसई - सात सौ का समाहार

बहुव्रीहि समास

जिस समास में दोनों पद प्रधान न होकर कोई अन्य पद प्रधान होता है, वह बहुव्रीहि समास कहलाता है |

<u>जैसे</u> →
गोपाल = गायों का पालक है जो वह है - कृष्ण
लंबोदर = लंबा है उदर जिसका - गणेश
महावीर = महान है जो वीर - हनुमान

बहुव्रीहि तथा कर्मधारय समास में अंतर

→ कर्मधारय समास के दोनों पदों में विशेषण - विशेष्य या उपमेय - उपमान का संबंध होता है |

→ जबकि बहुव्रीहि समास के दोनों पद मिलकर किसी तीसरे पद की ओर संकेत करते हैं|

<u>जैसे</u> →

1. **पीताम्बर → पीत है जो अंबर (कर्मधारय समास)**
   पीताम्बर → पीत है अंबर जिसके - विष्णु